हिन्दुस्तानी संगीत- स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य - *इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के मध्यकाल, थाट पद्धति, मार्ग व देशी संगीत एवं प्रसिद्ध स्वर वाद्य वादकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार स्वर वाद्य के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*				
पंचम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम कोर				
क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**हिन्दुस्तानी संगीत का शास्त्रीय सिद्धांत- स्वर वाद्य**	**BAMI(N)-301**	**50**	**2**
प्रथम खण्ड	**इकाई 1-** भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल।			
	इकाई 2- भारतीय संगीत में थाट पद्धति।			
	इकाई 3- मार्ग संगीत, देशी संगीत, नायक, गायक, वाग्गेयकार, पंडित, कलावन्त, गीत, गान्धर्व, गान, आविर्भाव, तिरोभाव, काकु एवं तान।			
	इकाई 4- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (उ0 विलायत खाँ, उ0 इलियास खाँ, पं0 हरिप्रसाद चौरसिया, विदुषी शरन रानी एवं उ0 अमजद अली खॉ)।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों मियां मल्हार, मालकौंस, मुल्तानी एवं तोड़ी का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत को तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठयक्रम की तालों रूपक एवं तिलवाड़ा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों रूपक एवं तिलवाड़ा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	**प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा V**	**BAMI(N)-301**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	**इकाई 7-** राग मियां मल्हार एवं मालकौंस का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 8- राग मियां मल्हार एवं मालकौंस में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 9- राग मुल्तानी एवं तोड़ी का परिचय एवं स्वर विस्तार |			
	इकाई 10- राग मुल्तानी एवं तोड़ी में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम के रागों मियां मल्हार, मालकौंस, मुल्तानी एवं तोड़ी में से किन्ही दो में द्रुत गत तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के तालों रूपक एवं तिलवाड़ा ताल की पढन्त।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम के तालों रूपक एवं तिलवाड़ा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14- अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग - मियां मल्हार, मालकौंस, मुल्तानी एवं तोड़ी			**ताल – रूपक एवं तिलवाड़ा**	
नोट- पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				